सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 251 | इंदौर, शनिवार 28 मार्च, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

न्याय से ज्यादा 'लीक्ड वीडियो' वीडियो' की तलाश

Ashok And Rupali Video Searches

नासिक के अशोक खरात की गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया पर 'लीक्ड वीडियो' सर्च करने का एक खतरनाक रुझान देखा जा रहा है।

यह सब डिजिटल युग में सामाजिक विकृति और कानूनी जोखिमों, नैतिक पतन और साइबर धोखाधड़ी के खतरों का विश्लेषण करता है. यह स्थिति दर्शाती है कि समाज में न्याय की मांग से कहीं अधिक डिजिटल 'वॉयुरिज्म' (दूसरों के निजी पलों को देखने की लालसा) हावी हो रही है

नासिक (Nashik) के 'कैप्टन' (Captain) कहे जाने वाले ज्योतिषी अशोक खरात (Ashok Kharat) की गिरफ्तारी और उससे जुड़े राजनीतिक विवाद ने केवल कानूनी जांच को ही नहीं, बल्कि समाज के एक डरावने चेहरे को भी उजागर किया है. जहाँ एक ओर विशेष जांच दल (SIT) इस मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर गूगल (Google) और टेलीग्राम (Telegram) जैसे प्लेटफॉर्म्स पर 'अशोक खरात और रूपाली चाकणकर वीडियो डाउनलोड' ('Ashok Kharat and Rupali Chakankar Video Download') जैसे कीवर्ड्स का ट्रेंड होना एक गहरी सामाजिक विकृति की ओर इशारा करता है.

विशेषज्ञों का मानना है कि जब लोग 'पीड़ित' के बजाय 'वीडियो' को प्राथमिकता देते हैं, तो वे अनजाने में उस शोषण का हिस्सा बन जाते हैं जिसकी वे निंदा करते हैं. यह बदलाव नागरिक चेतना के पतन का एक स्पष्ट संकेत है.

(साभार -LY & Pushp FB wall)

धर्मांतरण के खिलाफ कड़ा कानून बने, आदिवासी पहचान बचाना राष्ट्रीय जिम्मेदारी: सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी

नई दिल्ली, (एजेंसी) राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने संसद के उच्च सदन में जनजातीय समाज से जुड़े एक अत्यंत संवेदनशील विषय को उठाते हुए देशभर में जबरन धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए कठोर केंद्रीय कानून बनाने की मांग की है।

उन्होंने सभापति महोदय के माध्यम से सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि संविधान सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है, किन्तु छल, बल, प्रलोभन या दबाव के माध्यम से किया गया धर्मांतरण एक गंभीर अपराध है, जिसे किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सांसद डॉ. सोलंकी ने कहा कि आज जनजातीय क्षेत्रों में सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिसमें आर्थिक लालच, शिक्षा, नौकरी, इलाज तथा सामाजिक दबाव जैसे माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। यह स्थिति न केवल जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान के लिए खतरा है, बल्कि सामाजिक संतुलन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने सदन को अवगत कराया कि आदिवासी समाज सदियों से अपनी परंपराओं, संस्कृति और सनातन मूल्यों के साथ जुड़ा रहा है, किन्तु वर्तमान में धर्मांतरण के कारण इनकी मूल पहचान पर संकट उत्पन्न हो गया है। गांवों में सामाजिक तनाव भी लगातार बढ़ रहा है, जो भविष्य के लिए गंभीर संकेत है।

डॉ. सोलंकी ने यह भी कहा कि कई राज्यों में धर्मांतरण रोकने के लिए कानून बने हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद पूरे देश में एक समान और प्रभावी केंद्रीय कानून की आवश्यकता है, जिससे इस समस्या पर ठोस नियंत्रण किया जा सके।

उन्होंने सुझाव दिया कि जबरन एवं प्रलोभन देकर किए गए धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े दंड का प्रावधान होना चाहिए। साथ ही, जो व्यक्ति धर्मांतरण कर चुके हैं, उन्हें जनजातीय आरक्षण के दायरे से बाहर किया जाए, ताकि वास्तविक पात्रों के अधिकारों की रक्षा हो सके। सांसद ने संविधान के अनुच्छेद 342 में आवश्यक संशोधन की मांग भी रखी, जिससे जनजातीय समाज के हितों को और अधिक सशक्त किया जा सके। डॉ. सोलंकी ने 24 मार्च 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित दिए गए निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इसी प्रकार की स्पष्ट व्यवस्था जनजातीय समाज के लिए भी लागू की जानी चाहिए।

अंत में उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपरा और पहचान की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं तथा जबरन धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए।

एमआरपी प्रबंध संपादक
डीजीआर ग्रुप

वाराणसी में जीवंत होगी विक्रमादित्य की वीर गाथा 3 से 5 अप्रैल तक होगा भव्य महानाट्य

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश सरकार भारतीय ज्ञान परंपरा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में "विक्रमोत्सव-2026" के तहत 3 से 5 अप्रैल 2026 तक वाराणसी में 'महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य' का भव्य मंचन आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव की पहल और दूरदर्शिता के चलते उज्जैन से शुरू हुआ यह सांस्कृतिक अभियान अब काशी तक पहुंच रहा है। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक एवं मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी ने बताया कि यह आयोजन दो महान आध्यात्मिक नगरों उज्जैन और वाराणसी के बीच सांस्कृतिक सेतु का कार्य करेगा।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का सशक्त मंच

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सम्राट विक्रमादित्य को भारतीय परंपरा में न्याय, पराक्रम और सुशासन का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह महानाट्य आमजन को उस गौरवशाली युग से परिचित कराएगा, जब लगभग 2100 वर्ष पूर्व विक्रमादित्य ने शकों पर विजय प्राप्त कर 'विक्रम संवत' की स्थापना की, जो भारतीय कालगणना और खगोल विज्ञान की उत्कृष्टता को दर्शाता है।

शौर्य, न्याय और समृद्धि की झलक

तीन दिवसीय इस प्रस्तुति में सम्राट विक्रमादित्य के पराक्रम और लोककल्याणकारी शासन को जीवंत किया जाएगा। नाटक में उनके 'शकारि' और 'साहसांक' बनने की कथा के साथ-साथ यह भी दिखाया जाएगा कि कैसे उन्होंने प्रजा को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए एक समृद्ध और खुशहाल राज्य की स्थापना की। साथ ही, उनकी प्रसिद्ध 'नवरत्न सभा' जिसमें कालिदास, वराहमिहिर और धन्वंतरि जैसे महान विद्वान शामिल थे के माध्यम से ज्ञान और संस्कृति के स्वर्णिम युग को भी प्रस्तुत किया जाएगा।

पहले भी मिल चुकी है राष्ट्रीय सराहना

दिल्ली के लाल किले में इस महानाट्य के सफल मंचन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसकी प्रशंसा की जा चुकी है। ऐसे में वाराणसी का आयोजन इसे एक नई ऊंचाई देने वाला माना जा रहा है।

डिजिटल मंच पर भी छाया विक्रमोत्सव

उज्जैन में आयोजित विक्रमोत्सव-2026 ने डिजिटल दुनिया में भी बड़ी सफलता हासिल की है। 7 फरवरी से 24 मार्च 2026 के बीच इस आयोजन की पहुंच 17 करोड़ से अधिक लोगों तक रही। #Vikramutsav2026 जैसे हैशटैग्स का वैश्विक स्तर पर ट्रेंड करना इस बात का प्रमाण है कि युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने के लिए उत्सुक है।

29 मार्च को मिलेगी अमृत 2.0 की सौगात

मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे 1356 करोड़ की जल परियोजनाओं का भूमिपूजन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर की पेयजल व्यवस्था को आधुनिक और दीर्घकालिक बनाने की दिशा में नर्मदा चतुर्थ चरण के अंतर्गत 1356 करोड़ रुपए के तीन पैकेजों का भूमिपूजन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 मार्च को सुबह 10 बजे दशहरा मैदान पर करेंगे। साथ ही सिरपुर में 20 एमएलडी क्षमता के एसटीपी प्लांट का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री करेंगे।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी। यह केवल आधारभूत संरचना का विकास नहीं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, सुविधा और बेहतर जीवन स्तर से जुड़ा एक व्यापक प्रयास है। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत इस परियोजना से इंदौर में 24x7 जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त 400 एमएलडी जलापूर्ति भी सुनिश्चित की जाएगी। परियोजना के पैकेज-2 के अंतर्गत वांचू पॉइंट से राऊ सर्कल तक 2235 मिमी

व्यास की लगभग 39 किलोमीटर लंबी ग्रेविटी मेन पाइपलाइन बिछाई जाएगी, जो शहर के विभिन्न हिस्सों तक जल आपूर्ति सुचारू रूप से करेगी। साथ ही 3 प्रमुख स्थानों पर लगभग 2870 मीटर लंबाई में आधुनिक तकनीक से टनल का निर्माण किया जाएगा। राऊ सर्कल पर क्लोरीनेशन सिस्टम की स्थापना कर जल की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी, जिससे नागरिकों को शुद्ध और सुरक्षित पेयजल मिल सके। इस पैकेज की लागत 448.23 करोड़ रुपए है और कार्य 30 माह में पूर्ण करने का लक्ष्य है। पैकेज-3 और 4 के तहत शहर की जल वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। कुल 40 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे और 76 पुराने टैंकों का उन्नयन किया जाएगा। पैकेज-3 में 15 से 35 लाख लीटर क्षमता के 20 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे तथा 29 मौजूदा टैंकों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इन्हें जोड़ने के लिए 400 से 600 मिमी व्यास की लगभग 27.4 किलोमीटर लंबी फीडर पाइपलाइन और 1200 मिमी व्यास की 4.7 किलोमीटर ग्रेविटी मेन लाइन बिछाई जाएगी। पैकेज-4 में 685 किलोमीटर लंबी डिस्ट्रीब्यूशन लाइन बिछाई जाएगी, जिसमें डीआई और एचडीपीई पाइपलाइन शामिल होंगी। इसके साथ ही 20 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे और 46 मौजूदा टैंकों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। 400 से 700 मिमी व्यास की लगभग 25.82 किलोमीटर लंबी फीडर लाइन और लगभग 892 किलोमीटर लंबी वितरण पाइपलाइन भी विकसित की जाएगी। पैकेज-3 के अंतर्गत लगभग 1.26 लाख घरेलू जल कनेक्शन दिए जाएंगे और 1.08 लाख से अधिक वाटर मीटर लगाए जाएंगे, जिससे 24x7 दबावयुक्त जलापूर्ति सुनिश्चित होगी। इसकी लागत 410.50 करोड़ रुपए है और कार्य 36 माह में पूरा करने का लक्ष्य है।

पैकेज-4 के तहत लगभग 1.21 लाख घरेलू जल कनेक्शन दिए जाएंगे तथा 1.62 लाख से अधिक वाटर मीटर लगाए जाएंगे। इससे जल वितरण प्रणाली और अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं स्मार्ट बनेगी। इस पैकेज की लागत 497.23 करोड़ रुपए है और कार्य 36 माह में पूर्ण किया जाएगा। परियोजना में SCADA आधारित स्मार्ट मॉनिटरिंग, NRW नियंत्रण और DMA तकनीक को शामिल किया गया है। इससे जल वितरण पर रियल टाइम निगरानी रखी जा सकेगी और लीकेज व पानी की बर्बादी पर नियंत्रण होगा। इस योजना के तहत शहर के साथ-साथ आसपास के 29 गांवों—रेवती, बरदरी, भौरांसला, कुमेड़ी, शक्करखेड़ी, अरंडिया, मायाखेड़ी, बिचौली हप्सी, पत्थर मुंडला, पालदा, केलोद करताल, छोटा बांगड़दा, निहालपुर मुंडी, बड़ा बांगड़दा, पालाखेड़ी सहित अन्य क्षेत्रों में भी पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इससे ग्रामीण और शहरी विस्तार क्षेत्रों को समान रूप से लाभ मिलेगा।

सट्टे पर पुलिस की दबिश, 9 गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एरोड्रम थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सिंगापुर सिटी क्षेत्र में दबिश देकर अवैध रूप से सट्टा खेलते हुए 9 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों में रितेश, योगेश, शेखर, पंकज, दिनेश, प्रदीप, महेश और शिवराम शामिल हैं। सभी आरोपी मौके पर सट्टा संचालित करते पाए गए और पुलिस को वहां से सट्टे का पूरा हिसाब-किताब भी मिला है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 मोबाइल फोन, 7 कैलकुलेटर, लाखों रुपए के सट्टे की लिखापढ़ी वाली डायरियां और 16,700 रुपए नगद जब्त किए हैं। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उनका नेटवर्क किन-किन लोगों से जुड़ा हुआ है। साथ ही सट्टे के बड़े कनेक्शन भी खंगाले जा रहे हैं।

मल्हारगंज से कोठारी मार्केट तक गूंजा 'जय श्री राम' और 'साईं' का जयघोष, पालकी और रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। रामनवमी के पावन पर्व पर शहर के मध्य क्षेत्र में आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। मल्हारगंज स्थित छोटा गणपति मंदिर से शाम को प्रभु श्री राम और साईं बाबा की विशाल पालकी एवं रथ यात्रा निकाली गई। 'देवी अहिल्याबाई साईं सोशल भक्त मंडल' द्वारा आयोजित इस भव्य यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा, जिससे पूरा मार्ग भक्तिमय हो गया।

बैंड-बाजे, ताशों और नर्तक दलों के साथ निकली इस यात्रा में अलग-अलग भजन मंडलियों ने समां बांध दिया। विशेष रूप से महाराष्ट्रीयन शैली में श्रृंगार किए हुए बच्चियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शहर के अलग-अलग क्षेत्र से आई भजन कीर्तन मंडलीय भी अपनी प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह रही थी, कई स्थानों पर फूलों के द्वारा सभी का स्वागत सत्कार किया गया, मेवा मिष्ठान के साथ ठंडाई का वितरण अलग-अलग मंचों के माध्यम से हुआ, यात्रा गोराकुंड, खजूरी बाजार, सुभाष चौक और राजवाड़ा, किशनपुरा छतरी होते हुए गुजरी, जहां जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। अखाड़े के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब दिखाकर राहगीरों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समिति अध्यक्ष भोला सिंह ठाकुर ने बताया कि यात्रा का समापन कोठारी मार्केट स्थित साईं मंदिर पर हुआ, जहां देर रात भव्य महाआरती की गई। इसके पश्चात विशाल भंडारा शुरू हुआ, जिसमें 5,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। आयोजन को सफल बनाने में हरिओम पालीवाल, भूपेंद्र चोपड़ा, रजनीकांत जोशी, राजू चोपड़ा और संजय दुबे सहित पूरी टीम का विशेष सहयोग रहा। इस वर्ष समिति ने एक नई पहल करते हुए परंपरागत पालकी यात्रा के स्थान पर 7 मार्च से 26 मार्च तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया। इसके तहत शहर के प्रमुख अस्पतालों और मंदिरों में जरूरतमंदों की सेवा की गई और खिचड़ी प्रसादी का वितरण किया गया। इस मानवीय पहल की शहर भर में जमकर सराहना हुई।

खजूरी बाजार में तीन मंजिला मकान की स्टेशनरी दुकान में तड़के लगी भीषण आग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। खजूरी बाजार क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक स्टेशनरी दुकान में आग लगने से हड़कंप

मच गया। तीन मंजिला मकान में परिवार के फंसे होने से अफरा-तफरी की स्थिति बन गई, लेकिन मकान मालिक की सूझबूझ से सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

सराफा थाना पुलिस के अनुसार घटना सुबह करीब 4 बजे की है। राजवाड़ा के पास स्थित खजूरी बाजार में कमलेश सौभाग्यमल पंचौली की तीन मंजिला इमारत में नीचे स्टेशनरी दुकान है। आग सबसे पहले दुकान में लगी और धीरे-धीरे पहली मंजिल तक फैल गई। धुआं फैलते ही आसपास के लोगों ने परिवार को सतर्क किया। मकान मालिक ने तुरंत सभी को बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही गांधी हॉल और लक्ष्मीबाई फायर स्टेशन से दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पा लिया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह बिजली मीटर में स्पार्किंग बताई जा रही है।

कार चढ़ाने वाले पिता पुत्र दो दिन के रिमांड पर

थाने में रोया आरोपी बोला- गलती हो गई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। निपानिया स्थित शिव वाटिका में बुधवार रात सागर समृद्धि बिल्डिंग की महिला इंजीनियर शंपा पाठक पांडे की जान लेने वाले पिता-पुत्र का लसूडिया पुलिस ने दो दिन का रिमांड लिया है। आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। थाने में बंद मोहनीश अपनी करनी पर रोने लगा। वह पुलिस के सामने गिड़गिड़ाने लगा कि उससे गलती हो गई है। पुलिस दो दिन के रिमांड में आरोपियों से पूछताछ करेगी। वहीं उनकी शिनाख्त भी कराएगी। मोहनीश उर्फ मोहित बिगड़ैल प्रवृत्ति का लड़का है।

वह अपनी सोशल मीडिया आईडी पर तेज ड्राइविंग और धमकी भरी रील भी पोस्ट करता था, जबकि आरोपी के पास लाइसेंस भी नहीं है। लसूडिया थाने में बंद मोहित उर्फ मोहनीश को अब अपने किए पर पछतावा हो रहा है। वह थाने में मायूस बैठा है। मोहनीश और उसके पिता कुलदीप चौधरी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उन्हें दो दिन का रिमांड मिला है। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक, दोनों से अभी प्रकरण संबंधी मामले में पूछताछ की जानी है। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक, अभी मामले में बिल्डिंग में रहने वाले चौकीदार की पत्नी रेणुका और कुछ लोगों के बयान हुए हैं। अभी मामले में शंपा के पति सौरभ और कुछ अन्य के बयान बाकी हैं। पुलिस के मुताबिक पिता-पुत्र पर काफी मजबूत प्रकरण बनाया जाएगा, ताकि आगे वे कानूनी मामले में राहत न पा सकें। मोहित उर्फ मोहनीश जाट एक्स के नाम से इंस्टाग्राम आईडी है। इस पर वह धमकी भरे वीडियो डालता था। उसने तेज कार चलाने वाले कुछ वीडियो भी इस पर डाले थे। मोहित ने अपने पिता के झगड़े के दौरान अपने दोस्तों को भी विवाद में आने के लिए कॉल किया था, लेकिन उसकी मदद के लिए उस समय कोई नहीं आया।

‘ग्रीन टच’ और ‘सेंचुरीप्लाई’ के नाम पर नकली प्लाय बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र में नकली प्लायवुड बेचने के मामले में कॉपीराइट एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि नामी ब्रांड से मिलते-जुलते नाम का इस्तेमाल कर ग्राहकों को भ्रमित किया जा रहा था और अवैध रूप से आर्थिक लाभ कमाया जा रहा था।

पुलिस के मुताबिक कोलकाता निवासी

चेतना खन्ना (47) ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया कि उनकी कंपनी ‘ग्रीन टच (ग्रीन टच लेमिनेट्स)’ के नाम से मिलते-जुलते नाम का उपयोग कर इंदौर के जवाहर मार्ग स्थित देहली ट्रेडिंग कंपनी द्वारा प्लायवुड बेचा जा रहा था। इसके अलावा ‘सेंचुरीप्लाई’ ब्रांड से मिलते-जुलते नाम का उपयोग कर ज्योति प्लाईवुड द्वारा भी ग्राहकों को भ्रमित करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार इससे उनकी कंपनी को आर्थिक नुकसान हो रहा है। मामले में राजवंत सिंह पुत्र जसवीर सिंह निवासी जावरा कम्पाउंड सहित संबंधित फर्मों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट 1957 की धारा 51 और 63 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में बड़ी मात्रा में नकली प्लायवुड मिलने की भी बात सामने आई है।

सड़क हादसा, बाइक सवार की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र के छोटा बांगड़दा इलाके में गुरुवार शाम सड़क हादसे में 46 वर्षीय अतीक की मौत हो गई। वह आईस्क्रीम डिलीवरी का काम कर घर लौट रहे थे, तभी सामने से आए बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अतीक असंतुलित होकर सड़क पर दूर जा गिरा। आसपास के लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया। अतीक को एमवाय अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया था, जहां शुक्रवार सुबह डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। टक्कर मारने वाला बाइक सवार घटना के बाद मौके से भाग गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस को घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, जिसमें एक बाइक सवार द्वारा कट मारने के बाद अतीक के गिरने का दृश्य दिख रहा है। परिजनों के अनुसार अतीक परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं, जो पढ़ाई कर रहे हैं।

शादी का झांसा देकर 3 साल तक करता रहा दुष्कर्म

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक 30 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले युवती से दोस्ती की, फिर शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। अब पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार पीड़िता की शिकायत पर मिलन सिंह पुत्र मेहताब सिंह सिसौदिया, निवासी करुणा अपार्टमेंट कनाड़िया के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया गया है। पीड़िता एक निजी

कोचिंग संस्थान में टेलीकॉलर के रूप में काम करती है। करीब तीन साल पहले कोचिंग से जुड़े काम के दौरान उसने आरोपी को कॉल किया था, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बातचीत व्हाट्सएप पर होने लगी। वर्ष 2024 में आरोपी ने युवती से प्रेम का इजहार करते हुए शादी करने का वादा किया। उसने यह भी कहा कि उसने अपने परिवार से इस बारे में बात कर ली है। आरोप है कि इसी विश्वास में आकर युवती ने आरोपी को अपने फ्लैट पर मिलने बुलाया, जहां उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी कई बार मिलने आया और संबंध बनाता रहा। कुछ समय बाद जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी ने परिवार के मना करने की बात कहकर शादी से इनकार कर दिया। खुद के साथ धोखा होने का एहसास होने पर युवती ने अपने परिजनों को पूरी जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

तेज रफ्तार कार ने युवकों को टक्कर मारी, एक की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। तुकोगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात तेज रफ्तार कार ने एक्टिवा सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार हादसा एमजी रोड पर हुआ, जहां तेज रफ्तार कार ने पीछे से एक्टिवा को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक करीब 30 फीट दूर जाकर फुटपाथ पर गिर पड़े। खजराना निवासी 23 वर्षीय अनस अब्बासी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 32 वर्षीय जुबेर के दोनों पैरों में फ्रैक्चर आया है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची तुकोगंज पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को पकड़ लिया और कार जब्त कर ली। जांच में कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगी होने की जानकारी सामने आई है। अनस अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और फोटोग्राफी का काम करता था। उसके पिता की दो साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। घायल जुबेर कार डेकोरेशन का काम करता है। परिजनों के अनुसार उसकी 20 दिन बाद शादी तय थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

पेंट हाउस को जिम बताकर बेचे फ्लैट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र के सागर समृद्धि एनक्लेव में हुई इंजीनियर शंपा पांडे की मौत के बाद बिल्डिंग में फ्लैट बेचने वाले प्रॉपर्टी ब्रोकर फरार हैं। रहवासियों ने बताया कि पेंट हाउस को जिम और योग स्पेस बताकर उन्हें फ्लैट बेचे गए थे। फ्लैट बिकने के बाद पेंट हाउस भी बेच दिया गया और वहां पर लड़के लड़कियां रहने आने लगे जिनकी वजह से रहवासियों को परेशानी होने लगी। जब रहवासियों ने पेंट हाउस मालिक कुलदीप चौधरी से इस विषय में बात की तो विवाद हुआ और बुधवार रात कुलदीप और उसके बेटे मोहनीश ने रहवासियों पर कार चढ़ा दी जिसमें शंपा की जान चली गई।

टाउनशिप में रहने वाली वर्षा मिश्रा ने बताया कि लोकेश राणे और विजिता राणे ने यहां पर रहवासियों को फ्लैट बेचे। जब उन्होंने पेंट हाउस के बारे में पूछा तो बताया गया कि वहां पर रहवासियों के लिए जिम और योगा की सुविधा रहेगी। जब हम और अन्य रहवासी यहां पर रहने आ गए तो पेंट हाउस बेच दिया गया। दो माह पहले पेंट हाउस बेचा गया और हम तभी से शिकायत कर रहे थे। लोकेश और विजिता हमेशा हमारी बात टाल देते थे। जब विवाद बढ़ने लगा तो बिल्डिंग के मालिक भरत बाहेती को बुलाया। उन्होंने फ्लैट बेचने का काम लोकेश और विजिता को दिया था। बिल्डर ने कहा कि वह पेंट हाउस में कोई गलत गतिविधि नहीं होने देंगे। इसके बावजूद पेंट हाउस मालिक किराए पर नए नए लोगों को लाता था और उससे रहवासियों को परेशानी होती थी।वर्षा मिश्रा ने बताया कि घटना के बाद से लोकेश राणे और विजिता राणे फरार हैं। हम दो दिन से उन्हें तलाश कर रहे हैं। यह घटना उन्हीं लोगों की वजह से हुई। पैसों के लालच में उन्होंने और बिल्डर ने पेंट हाउस को महंगी कीमत पर बेच दिया और आज एक महिला की जान चली गई।

प्रेम प्रसंग के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र स्थित शालीमार कॉलोनी में 23 वर्षीय युवक ने प्रेम प्रसंग के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई, वहीं परिजनों ने युवती के परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पुलिस के मुताबिक मृतक राम प्रजापत के छोटे भाई ने बताया कि रात में सब कुछ सामान्य था, लेकिन वह थोड़ा परेशान नजर आ रहा था। सुबह करीब 11 बजे तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो परिजन उसे उठाने पहुंचे। कई बार आवाज देने के बाद भी जवाब नहीं मिला, जिसके बाद दरवाजा तोड़ा गया। अंदर देखा तो राम फंदे पर लटका हुआ था। परिजनों के अनुसार राम का पास की कॉलोनी में रहने वाली एक युवती से प्रेम प्रसंग था। शिवरात्रि के दिन युवती के परिजन घर आए थे और गाली-गलौज कर विवाद किया था। इसके बाद से ही राम तनाव में रहने लगा था। भाई ने बताया कि होली के दौरान युवक के मोबाइल पर युवती का मैसेज आया था, जिसमें शादी नहीं करने पर जहर खाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद युवती के भाई और उसके साथियों ने भी विवाद किया था। परिवार का कहना है कि इस मामले में उन्होंने पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि घटना से एक दिन पहले युवती के पिता घर आए थे और करीब आधे घंटे तक अपशब्द कहकर दबाव बनाते रहे। इससे राम काफी डर गया था और मानसिक रूप से टूट गया था। मृतक राम प्रजापत परिवार का मुख्य सहारा था और रेती की गाड़ी चलाकर घर का खर्च चलाता था। परिवार में पांच सदस्य हैं। उसकी मौत के बाद घर में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश 11.6 प्रतिशत विकास दर से कर रहा प्रगति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से अच्छे परिणाम देने का मॉडल तैयार किया है। हम कम संसाधनों में भी बेहतर से बेहतर रिजल्ट दे रहे हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है। मध्यप्रदेश 11.60 प्रतिशत की विकास दर से तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार के पास 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए समानुपातिक आवंटन के लिए पर्याप्त धनराशि है। जनकल्याण के साथ हम प्रदेश के औद्योगिक और अधोसंरचनात्मक विकास के लिए भी सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया समूह की एनुअल समिट को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास के लिए हर क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। हमारी कृषि विकास दर भी पहले से बेहतर हुई है। हमने बीते दो साल में औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देकर जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर मध्यप्रदेश में निवेश के लिए एक नया माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि बीते दो साल में प्रदेश में करीब 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है। यह हमारे अपने राज्य की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। लाड़ली बहना योजना में हमारी

1 करोड़ 25 लाख 27 हजार बहने हैं। इनके हित में हम हर महीने 1500-1500 रुपये खाते में डाल रहे हैं। किसानों को किसान सम्मान निधि भी दे रहे हैं। भारत सरकार के वित्तीय व्यवस्था के जो उच्चतम मापदंड है उसके दायरे में रहकर हम अपनी आय-व्यय को विनियमित कर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे हैं। उन्हें कितना बड़ा मौका मिला है, लेकिन उन्होंने इस पद की गरिमा का पतन कर दिया है। भारत-पाकिस्तान में स्ट्राइक हो रही है और अपोजिशन लीडर सेना का मनोबल गिरा रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के समय स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई पूरी दृढ़ता से सरकार के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा था हम सेना के साथ हैं। जब राष्ट्रीय संकट हो तो देश के साथ रहना चाहिए, यह विपक्ष को सीखना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल और वायु हमेशा सीमाओं से परे होती है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश को दो राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। यह परियोजना राज्यों के हित में है। इस राष्ट्रीय परियोजना की 90 प्रतिशत लागत राशि भारत सरकार दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश तो नदियों का मायका है। यहां 250 से ज्यादा नदियां हैं। हमारे पड़ोसी राज्य राजस्थान के 15 जिले सालों से पीने के पानी, उद्योग और सिंचाई के लिए भारी कष्ट में थे। माननीय अटल जी की सरकार के वक्त नदी जोड़ो योजना बनी थी लेकिन राजस्थान और मध्यप्रदेश की सरकार के साथ तालमेल न होने से इस विषय को लटकाए रखा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से मध्यप्रदेश और राजस्थान ने साथ आने का प्रयास किया और दोनों राज्यों की पश्चिमी भारत को सिंचाई की सुविधा से संपन्न करने के लिए पार्वती-कालीसिंध-चंबल योजना पर सहमति बनी। इस पर लगभग 70 हजार करोड़ रुपये की धनराशि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मंजूर की। प्रधानमंत्री जी की मौजूदगी में ही इस परियोजना का शुभारंभ हुआ। इस गठबंधन का परिणाम यह हुआ कि दोनों राज्यों के लोगों का एक तरह से अब जीवन बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच सौहार्द्रपूर्ण संबंध होने चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री श्री मोदी की कार्यशैली और हमारी सरकार पसंद बनी हुई है। इसलिए तो हमारी सरकार विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के 21 से अधिक प्रदेशों में हमारी सरकार है। जहाँ आज भी जनता काम पसंद करती है। प्रधानमंत्री की कार्यनीति को भी जनता पसंद करती है। जनता जान रही है कि दुनिया के सामने भारत का मान बढ़ रहा है, सम्मान बढ़ रहा है।

विष्णु सागर तालाब में डूबी ढाई साल की बच्ची, मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन के विष्णु सागर तालाब से शुक्रवार को ढाई साल की बच्ची का शव बरामद हुआ। वह परिवार के साथ पिकनिक पर गई थी और खेलते समय तालाब में डूब गई।

जयसिंहपुरा की राजीव रत्न कॉलोनी निवासी रवनीत कौर आनंद गुरुवार दोपहर करीब 1:30 बजे खेलते-खेलते अचानक लापता हो गई। परिजनों के अनुसार उसके पैर में कांटा चुभ गया था। मां चप्पल लेने गई, इसी दौरान कुछ ही सेकंड में बच्ची नजरों से ओझल हो गई। सूचना मिलने पर जीवाजीगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और परिजन रात करीब 3 बजे तक बच्ची की तलाश करते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सुबह गोताखोर मोहम्मद उर्फ जुम्मा और उनकी टीम ने तलाश शुरू की। कुछ ही मिनटों में बच्ची का शव तालाब से बाहर निकाल लिया गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार बच्ची खेलते-खेलते तालाब में गिर गई थी। घटना से पहले का एक वीडियो भी सामने आया है। मासूम के पिता हरप्रीत सिंह आनंद महाकाल मंदिर क्षेत्र में फूलों की दुकान चलाते हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

उज्जैन में बारातियों से भरी बस पलटी, 15 घायल

सड़क निर्माण के बीच ओवरटेक करने से हादसा, इंदौर से खाचरोद जा रही थी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन के इंगोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत जहांगीरपुर गांव के पास शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। इंदौर से खाचरोद जा रही बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में लगभग 18 लोग घायल हो गए।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां इन दिनों सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि इसी दौरान ओवरटेक करने के प्रयास में बस चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे बस पलट गई। हादसे के वक्त बस में बड़ी संख्या में बाराती सवार थे।

हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इंगोरिया लाया गया, जहां CMHO, SDM, SDOP, BMO, तहसीलदार और नायब तहसीलदार सहित चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे। इंगोरिया थाना प्रभारी दीपेश व्यास भी अपनी टीम के साथ मौके पर तैनात रहे। चिकित्सकों द्वारा सभी घायलों को समय रहते प्राथमिक उपचार दिया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए 8 घायलों को उज्जैन रेफर किया गया है, जिनमें से 2 को सिर में गंभीर चोट (हेड इंजरी) बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। राहत और बचाव कार्य में स्थानीय लोगों ने भी अहम भूमिका निभाई और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। नायब तहसीलदार प्रियंका जैन ने बताया कि हादसे में कुल 18 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 13 महिलाएं, 4 बच्चे और 1 पुरुष शामिल है। इनमें से 8 घायलों को उज्जैन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य का इलाज खाचरौद के अस्पताल में जारी है।

बच्ची के नाक-मुंह में ठूंसी रुई फिर मां ने खुद लगाया फंदा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना, एजेंसी। जिले से एक दिलदहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक महिला ने अपनी 10 महीने की मासूम बच्ची के नाक-मुंह में रूई ठूंसकर बच्ची को तड़पने के लिए छोड़ दिया और खुद फांसी के फंदे पर झूलकर जान दे दी। महिला की मौत हो गई है तो वहीं बच्ची की हालत गंभीर है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया गया है कि महिला के घर का एक लाख रुपये का बिजली बिल बकाया है जिसको लेकर पति-पत्नी में आए

दिन विवाद होता रहता था। गुना के कैंट थाना क्षेत्र के नानाखेड़ी गांव में शुक्रवार को उस वक्त मातम पसर गया जब गांव में रहने वाली कीर्ति कुशवाह (26) ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी करने से पहले कीर्ति ने अपनी 10 महीने की मासूम बच्ची को भी मारने की कोशिश की और उसके नाक-मुंह में रुई ठूंस दी। बच्ची तड़पती रही और पास ही मां ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। कीर्ति की शादी नानाखेड़ी के रहने वाले नीतीश कुशवाह से हुई थी। घटना के वक्त घर पर कीर्ति बच्ची के साथ अकेली थी, परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग कामों से घर के बाहर गए थे।

एएसआई रिश्वत लेते गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खरगोन, एजेंसी। जिले में लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस विभाग के एक अधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई महानिदेशक लोकायुक्त के निर्देश पर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी रवीन्द्र कुमार गुरु, जो कसरावद थाना में कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के पद पर पदस्थ हैं, को 7 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। आरोपी मूल रूप से खंडवा का निवासी है और वर्तमान में कसरावद थाना परिसर में रह रहा था।

24 साल बाद बदलेगा 'सरकारी नौकरी' का नियम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरी के लिए लागू दो बच्चों की शर्त को खत्म करने की तैयारी अंतिम चरण में है। राज्य सरकार इस प्रस्ताव को जल्द ही कैबिनेट के सामने रख सकती है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से इस संबंध में तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं और माना जा रहा है कि आगामी कैबिनेट बैठक में इसे मंजूरी मिल सकती है। प्रदेश में फिलहाल दो से अधिक बच्चों वाले अभ्यर्थियों के लिए कुछ सरकारी सेवाओं में नियुक्ति पर प्रतिबंध लागू है। यह प्रावधान वर्ष 1961 के नियमों और बाद में 2001 में किए गए संशोधनों के तहत लागू किया गया था। अब सरकार इस शर्त को समाप्त करने पर विचार कर रही है। यदि कैबिनेट से मंजूरी मिलती है तो सरकारी नौकरी के इच्छुक ऐसे अभ्यर्थियों को भी अवसर मिल सकेगा जिनके दो से अधिक बच्चे हैं। सूत्रों के अनुसार यह प्रस्ताव काफी समय से विचाराधीन था, लेकिन कुछ बिंदुओं पर स्पष्टता नहीं होने के कारण निर्णय टलता रहा। अब विभागीय स्तर पर सहमति बनने के बाद इसे कैबिनेट के सामने रखने की तैयारी की जा रही है। प्रस्ताव मंजूर होने के बाद इसे सभी विभागों में लागू किया जाएगा। हालांकि इस बदलाव का असर पहले से सेवा में कार्यरत कर्मचारियों पर किस तरह पड़ेगा।

संपादकीय

भारतीय सेनाओं के आधुनिकीकरण को नई उड़ान

इंडियन आर्मी के 300 धनुष आर्टिलरी गन, एयरफोर्स के लिए मिडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और पांच S-400 यूनिट्स की खरीद की जरूरत को मंजूरी मिल गई है। S-400 ने ऑपरेशन सिंदूर में भी अहम रोल निभाया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण समिति की मीटिंग में 2.38 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। रक्षा अधिग्रहण समिति ने एयरफोर्स के लिए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, S-400 लॉन्ग रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, रिमोटली पायलेटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट की खरीद और Su-30 फाइटर जेट के एयरो इंजन एग्रीगेट्स के ओवरहॉल के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि AN-32 और IL-76 जैसे पुराने ट्रांसपोर्ट विमानों की जगह मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल किए जाने से सेना की रणनीतिक, सामरिक और ऑपरेशनल एयरलिफ्ट जरूरतें बेहतर तरीके से पूरी हो सकेंगी। रिमोटली पायलेटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट (ड्रोन) के जरिए आक्रामक जवाबी कार्रवाई और समन्वित एयर ऑपरेशंस को अंजाम दिया जा सकेगा। साथ ही गुप्त तरीके से इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस (ISR) मिशन भी पूरे किए जा सकेंगे।Su-30 के एयरो इंजन और उसके हिस्सों के ओवरहॉल से विमान की सेवा अवधि बढ़ेगी और वायुसेना की ऑपरेशनल जरूरतें बेहतर तरीके से पूरी हो सकेंगी। समिति ने आर्मी के लिए 300 और धनुष आर्टिलरी गन की खरीद की जरूरत को भी मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि धनुष गन सिस्टम तोपखाने की क्षमता को बढ़ाएगा, जिससे वह हर तरह के इलाके में लंबी दूरी तक ज्यादा सटीक और घातक तरीके से निशाना साध सकेगा। इसके साथ ही आर्मी के लिए एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम, आर्मर पियर्सिंग टैंक गोला-बारूद, हाई कैपेसिटी रेडियो रिले और रनवे से स्वतंत्र एरियल सर्विलांस सिस्टम को मंजूरी दी गई। एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम रियल टाइम में हवाई सुरक्षा की निगरानी और कंट्रोल की क्षमता देगा। वहीं, हाई कैपेसिटी रेडियो रिले भरोसेमंद और बिना रुकावट के संचार सुनिश्चित करेगा। रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम सेना की यूनिट्स को बेहतर निगरानी की सुविधा देगा, जबकि आर्मर पियर्सिंग टैंक गोला-बारूद एंटी-टैंक हथियारों की मारक क्षमता को और बढ़ाएगा। कोस्ट गार्ड के लिए हेवी ड्यूटी एयर कुशन व्हीकल्स (होवरक्राफ्ट) की खरीद की जरूरत को मंजूरी दी गई।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

कफन

सर्दियों का समय था। एक झोपड़ी के दरवाजे पर बाप-बेटा बुझी हुई आग के सामने बैठे हुए थे। झोपड़ी के अंदर बेटे की पत्नी बुधिया प्रसव के दर्द से गुजरने की वजह से करहा रही थी। कभी हल्की, तो कभी जोर से उसके मुंह से चीखें निकलती थी। उसके करहाने की आवाज और चीखें सुनकर दोनों बाप-बेटे का दिल सहम जाता था।

बधिया के ससुर घीसू ने आधी रात तक चीखें सुनी और फिर थककर कहा कि ये बचेगी नहीं।

घीसू का बेटा और बुधिया के पति माधव ने चिढ़ते हुए जवाब दिया, "मरना है तो जल्दी मरे।"

पिता ने कहा, "अपनी पत्नी के लिए ऐसा कह रहा है, जिसने अपना रात-दिन इसी घर को दिया।"

तब दुखी आवाज में माधव बोला, "मुझसे उसका इस तरह तड़पना और हाथ-पांव मारना देखा नहीं जा रहा है।"

दोनों ही बाप-बेटे काम से जी चुराते थे। बाप एक दिन काम करता, तो दो दिनों तक घर में आराम। उसका बेटा माधव तो और भी ज्यादा कामचोर था। एक घंटे काम करता था और फिर दो घंटे तक हुक्का पीता रहता। इनकी ऐसी ही हरकत की वजह से कोई इन्हें काम नहीं देता था। ऐसा नहीं था कि गांव में काम की कोई कमी थी, लेकिन घर में जबतक खाने के लाले न पड़ जाएं, तबतक ये काम के लिए घर से निकलते नहीं थे।

पूरी झोपड़ी में चार बर्तन और कुछ फटे हुए कपड़ों के अलावा कुछ भी नहीं था। दौलत के नाम पर यही था इनका। दोनों के सिर पर खूब कर्ज था, लेकिन संतोष इतना कि इन्हें बस एक टाइम थोड़ा खाना मिल जाए उसके अलावा कुछ नहीं चाहिए था। दुनिया भर के ताने भी सुनते थे, लेकिन इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था। इनमें इतना संतोष था कि इनके सामने साधु-संतों का संतोष भी कम पड़ जाता था।

जब बहुत जरूरत पड़ती थी तो बाप पेड़ से कुछ लकड़ियां तोड़ता और उसका बेटा उन्हें बेचकर कुछ पैसा ले आता था। ये पैसा जबतक इनके पास होता, तबतक दोनों में से एक भी काम करने के लिए नहीं जाते थे। अगर कभी घर में खाने को कुछ न होता तो आस पड़ोस के खेतों से कभी आलू ले आते, तो कभी गन्ना। आखिर गांव था भी किसानों का ही। किसी-न-किसी खेत में मौसम के अनुसार कुछ-न-कुछ मिल ही जाता था।

इसी तरह से घीसू ने अपनी जिंदगी के साठ साल काट लिए थे। आज भी बाहर आग के पास बैठकर किसी के खेत से लाए आलू को भूनकर दोनों बाप-बेटे खा रहे थे और बुधिया अंदर दर्द में तड़प रही थी। माधव की बुधिया से कुछ साल पहले ही शादी हुई थी। उसने घर को अच्छे से संभाल लिया था, लेकिन माधव और घीसू और भी कामचोर हो गए थे। अभी दोनों के मन मे था कि बुधिया जल्दी से दुनिया से चली जाए और वो आराम कर सकें।

आग में भूना हुआ आलू छीलते हुए घीसू ने अपने बेटे से कहा कि अपनी पत्नी को अंदर देखकर आ जाओ। कुछ हो गया, तो पैसा भी नहीं है कोई काम करवाने के लिए।

घीसू के बेटे ने अंदर जान से इनकार कर दिया। उसे डर था कि कहीं उसका पिता सारे आलू न खा जाए। वो बोला कि मुझे डर लगता है। आप ही अंदर जाकर क्यों नहीं देख लेते हैं?

माधव के पिता घीसू ने जवाब दिया, "कैसा डर? मैं बैठा तो हूं यहां। तुझे पता है जब तेरी मां बीमार हुई थी, मैं उसके पास तीन दिन तक बैठा था। अगर मैं अंदर जाता हूं, तो उसे शर्म आ जाएगी। ससुर हूं उसका, वो कैसे मेरे सामने अपने हाथ-पांव पटक पाएगी।"

जवाब में माधव ने कहा, "बच्चा हो गया, ते क्या करेंगे। हमारे घर तो कुछ सामान भी नहीं है।"

माधव बोला, "बच्चा आए तो सही एक बार। घर में भी सारा जरूरी सामान आ जाएगा। भगवान सब संभाल लेंगे। कल के दिन यही आस-पड़ोस के लोग बच्चा होने पर बिन मांगे घर में ही चीजें देकर जाएंगे।"

वैसे घीसू के गांव के मेहनती किसानों की भी हालत कुछ अच्छी नहीं थी। सिर्फ वो लोग ही पैसे वाले थे, जो किसानों को दबाते या उनका हक मारते थे। घीसू के साथ यही चीज सबसे अच्छी थी कि उसका कोई पैसा नहीं मार सकता था। वो न तो रातदिन मेहनत करके पैसा कमाता था और न ही अपना फायदा किसी को उठाने देता था। कोई काम देने आ भी जाए कभी, तो तीन-चार गुना ज्यादा मजदूरी की रकम बता देता था।

घीसू को इसी बात की तसल्ली थी कि वो दूसरों कि तरह रातदिन मेहनत करके भी फटेहाल में नहीं था। वो तो मेहनत करता ही नहीं था और अपनी जिंदगी को मजे से जीता था। उसके साथ के लोग मुखिया या गांव का दूसरा ओदा हासिल कर चुके थे, लेकिन वो गरीब का गरीब ही था। इस बात के लिए गांव के लोग उसे कोसते थे, पर मजाल है कि घीसू को कुछ देर के लिए भी बुरा लगे।

घीसू और माधव को भूख इतनी लगी थी कि वो गर्म-गर्म आलू खाकर अपनी जीभ जला रहे थे। आंखों से आंसू निकल रहे थे, लेकिन पेट की आग बुझाने के लिए वो गर्म-गर्म आलू को निगलकर उसकी आग को पेट तक पहुंचा देते। ज्यादा गर्म आलू खाने की वजह से दोनों की आंखों से पानी निकल रहा था, पर भूख तेज थी, इसलिए दोनों में से कोई रुका नहीं।

आलू खाते हुए ही घीसू को बीस साल पहले निकली ठाकुर की बारत में मिली दावत याद आ गई। उस दावत में जिस तरह से पेट भरकर घी में तली हुई पुड़िया, कचौड़िया और दूसरे व्यंजन खाने को मिली थी, वैसे दोबारा कभी नहीं मिला।

यह सब सोचकर घीसू मुस्कुराया। तबतक आग में भूने हुए आलू खत्म हो चुके थे। अब घीसू और उसके बेटे ने हाथ धोया और दोनों सो गए। उधर, बुधिया अभी भी दर्द से करहा ही रही थी। रातभर अच्छे से सोने के बाद जैसे ही माधव की नींद खुली तो सबसे पहले अपनी पत्नी को देखने के लिए गया,

लेकिन तबतक उसका शरीर ठंडा हो चुका था। उसके पेट में बच्चे के मरने की वजह से बुधिया की भी मौत हो गई थी।

माधव भागते हुए अपने पिता के पास गया और उसे बुधिया का हाल सुनाया। यह बताते हुए माधव जोर-जोर से रोने लगा और उसका साथ देते हुए घीसू भी हाय-हाय करते हुए अपनी छाती पीटता तो कभी सिर के बाल नोचता। इतना शोर सुनकर आस-पड़ोस के लोग दौड़ते हुए आ गए।

सबने बुधिया की मौत पर शोक जताया और चले गए। अब माधव और घीसू रोने पर ज्यादा वक्त बर्बाद नहीं कर सकते थे, क्योंकि उन्हें कफन और लकड़ी का इंतजाम करना था। घर में तो इतने पैसे थे नहीं कि इन्हें खरीदा जा सके। पूरा घर टटोलने पर भी दोनों को एक पैसा नहीं मिला। थक-हारकर दोनों रोते-रोते गांव के जमीनदार के पास पहुंच गए। जमीनदार को दोनों कामचोरी की वजह से बिल्कुल पसंद नहीं थे, लेकिन वो दयावान था। उसने सोचा कि अभी गुस्सा दिखाने का समय नहीं है, इसलिए जल्दी से जेब से दो रूपये निकालकर उन्हें दे दिए।

अब जमीनदार ने पैसे दिए हैं, यह सुनकर गांव के बड़े-बड़े लोग भी मदद करने से मना नहीं कर पाए। सबने घीसू को कुछ-न-कुछ दे दिया। घंटे भर में घीसू के पास पांच रूपये, अनाज, लकड़ी व अन्य जरूरी समान जमा हो गया था। बस अब जरूरत थी तो कफन की।

दोपहर का समय था दोनों बाप-बेटे कफन खरीदने के लिए पांच रूपये लेकर बाजर चले गए। घीसू ने बाजार पहुंचर कहा, "लकड़ी तो मिल गई है, तो अब एक हल्का सा कफन खरीद लेते हैं। अच्छा खरीदकर भी क्या करेंगे उसे तो जलना ही है।"

अब दोनों सस्ता और हल्का सा कफन खरीदने के लिए एक दुकान से दूसरी दुकान जाने लगे, लेकिन उन्हें सस्ता कुछ भी नहीं लगा।

तभी माधव ने कहा, "कैसा रिवाज है, जिस औरत को जिंदा रहते हुए अच्छे कपड़े पहनने के लिए नहीं मिले, उसे मरने पर नया कफन ओढ़ाना होगा। ये पांच रूपये पहले मिलते तो अच्छे से दवाई कर लेते। शायद आज वो जिंदा होती।"

सूती, रेशम हर तरह का कफन दोनों बाप-बेटे देख चुके थे। दोपहर से शाम हो चुकी थी, लेकिन दोनों को कुछ भाया नहीं। तभी उन्हें पास में ही एक मैखाना दिखा। दोनों वहां गए और पहले एक बोतल ली। उसके बाद खाने के लिए चटनी, मछली और तमाम चीजें मंगाई। दोनों ने आज खुलकर खाया। इतना खाया कि दो रूपये खत्म हो गए।

घीसू बोला, "बहू को कफन ओढ़ाते तो क्या होता, जल ही जाता न। कुछ भी बहू के पास तक नहीं पहुंचता, लेकिन आज इतना खा लिया है कि मन तृप्त हो गया। उसे हमारी दुआएं लगेंगी। बड़े लोगों के पास खूब पैसा हो, तो वो नए कफन में फूंकते हैं।"

बेटे ने पूछा, "जब लोग सवाल करेंगे कि कफन कहा है, तो क्या कहोगे उन्हें?"

घीसू ने हंसते हुए कहा, "उन्हें कहेंगे पैसे कहीं गिर गए और खूब ढूंढने पर भी नहीं मिले। भले ही लोगों को विश्वास न हो, लेकिन कफन वो खुद ही ले आएंगे या रुपये देंगे।"

अपने पिता की इस बात पर माधव भी जोर-जोर से हंसने लगा और फिर बोला कि बहुत अच्छी थी बुधिया। जाते-जाते हमें खूब खिला गई। उसे स्वर्ग में ही जगह मिलेगी।

अब बचे हुए पैसों से घीसू ने और पूडियां मंगवाई और साथ में अचार भी। मजे से दोनों पूडियां खा रहे थे। खाते-खाते घीसू ने कहा कि हमारी आत्मा खुश हो रही है, तो उसे पुण्य तो मिलेगा ही।

माधव ने भी सिर हिलाते हुए हां कहा। कुछ देर सोचकर माधव बोला कि ऐसा भोजन कभी नहीं मिला था हमें। उसे स्वर्ग में जगह तो मिलेगी ही। आखिर उसी की वजह से हम ये सब खा पा रहे हैं। फिर माधव ने कहा कि क्या हम लोग भी एक दिन स्वर्ग जाएंगे।

माधव के इस मासूम सवाल का घीसू ने कोई जवाब नहीं दिया और कहा कि चुपचाप से खाना खाओ। वो इस वक्त ऐसी बातें करके अपना आनंद कम नहीं करना चाह रहा था।

फिर माधव ने पूछा, "अगर बुधिया स्वर्ग में हमसे पूछेगी कि मेरे लिए कफन क्यों नहीं लाए, तो हम क्या जवाब देंगे?"

घीसू पूछने लगा, "तुझे किसने कह दिया कि उसे कफन नहीं मिलेगा। बिल्कुल मिलेगा और बहुत अच्छा मिलेगा।"

"कौन देगा? सारा पैसा तो हम खा गए", नाराज होते हुए माधव ने कहा।

जवाब में घीसू बोला, "वही देंगे जिन्होंने इतना कुछ दिया है। बस इस बार पैसा हमारे हाथ नहीं लगेगा, लेकिन कफन जरूर आएगा।

माधव जोर-जोर से रोते हुए कहने लगा, "स्वर्ग की रानी बनेगी मेरी पत्नी। उसने बहुत दुख झेला है यहां"

पिता ने उसे चुप कराने की कोशिश की और कहा, " रो मत वो दुनिया के दुख से दूर चली गई।"

अब दोनों खड़े होकर गाना गाने लगे, नाचने लगे। सब उन्हें देख रहे थे, लेकिन उन्हें किसी से कोई फर्क नहीं पड़ रहा था। नशे में चूर बाप-बेटे 'नैना झमकावे-नैना झमकावे' गाते-गाते उसी जगह पर गिर गए।

कहानी से सीख :

इंसान को कामचोरी नहीं करनी चाहिए, वरना जीवन को चलाना मुश्किल हो जाता है। साथ ही ज्यादा संतोषी होना से जीवन में आगे बढ़ने की चाह ही खत्म हो जाती है।

New Delhi

सरकार का दावा- 2025 में बेरोजगारी घटकर 3.1 फीसदी हुई, गांवों में सुधार, स्थायी नौकरियों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली, (एजेंसी) देश में बेरोजगारी दर 2025 में थोड़ी घटकर 3.1% हो गई है। यह आंकड़ा 2024 में 3.2% था, यानी मामूली सुधार जरूर हुआ है। यह जानकारी सरकार के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2025 में सामने आई है, जिसे सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने जारी किया है। रिपोर्ट बताती है कि रोजगार के मामले में देश में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है और यह सुधार लगभग हर सेक्टर और पुरुष-महिला दोनों में देखने को मिला है। पुरुषों की बेरोजगारी दर 3.3% से घटकर 3.1% हो गई, जबकि महिलाओं की बेरोजगारी दर 3.1%

पर ही स्थिर रही। अगर ग्रामीण और शहरी इलाकों की बात करें तो गांवों में स्थिति ज्यादा बेहतर दिख रही है। ग्रामीण बेरोजगारी दर 2.5% से घटकर 2.4% हो गई, जो यह दिखाता है कि गांवों में लोगों को काम मिलने की स्थिति मजबूत हो रही है। खास बात यह है कि गांवों में महिलाओं की बेरोजगारी दर सिर्फ 2.1% रही, जो पुरुषों (2.6%) से भी कम है। वहीं शहरों में बेरोजगारी दर ज्यादा है, पुरुषों के लिए 4.2% और महिलाओं के लिए 6.4%। रोजगार के प्रकार में भी बदलाव देखने को मिला है। खुद का काम करने वालों की हिस्सेदारी थोड़ी घटी है, 2024 में 57.5% से घटकर 2025 में 56.2% रह गई। लेकिन अच्छी बात यह है कि नियमित सैलरी वाली नौकरियों में बढ़ोतरी हुई है, जो 22.4% से बढ़कर 23.6% हो गई।

Uttarpradesh

शंकराचार्य पर केस करने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी को मिली बम से उड़ाने की धमकी, पाकिस्तान से आया कॉल

शामली/कांधला, (एजेंसी) श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट (मथुरा) के अध्यक्ष आशुतोष ब्रह्मचारी को जान से मारने की सनसनीखेज धमकी मिली है। आशुतोष महाराज का आरोप है कि उन्हें और उनके अधिवक्ता को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस जांच में वह मोबाइल नंबर पाकिस्तान का पाया गया है, जिससे यह मामला अब अंतरराष्ट्रीय साजिश और सुरक्षा में बड़ी चूक की ओर इशारा कर रहा है।

पूरा मामला स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़े एक कानूनी विवाद से शुरू हुआ है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने उच्च न्यायालय द्वारा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को दी गई अग्रिम जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (SLP) दाखिल की है। आशुतोष महाराज के अनुसार, जैसे ही उन्होंने 25 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में पैरवी तेज की, उन्हें डराने-धमकाने का सिलसिला शुरू हो गया।

शुक्रवार शाम लगभग 5:53 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले ने सीधे तौर पर कहा कि यदि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस नहीं ली या केस की पैरवी जारी रखी, तो उन्हें और उनके वकील को बम से उड़ा दिया जाएगा। धमकी मिलने के तुरंत बाद आशुतोष ब्रह्मचारी ने '112' नंबर पर पुलिस को सूचना दी।

New Delhi

वंदे भारत में खराब Amul दही मिलने पर रेलवे का एक्शन, केटरर पर लगा ₹50 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारतीय रेलवे ने पटना-टाटा वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसी गई अमूल दही की गुणवत्ता को लेकर यात्रियों की शिकायतों को गंभीरता से लिया है। शिकायतों में दही की स्वाद और ताजगी को लेकर असंतोष जताया गया था। रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बड़ी करवाई की है। रेलवे ने अपनी ही कंपनी इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन (आईआरसीटीसी) पर शिकंजा कसते हुए 10 लाख का जुर्माना ठोका है।

जानकारी के मुताबिक, 15 मार्च 2026 को ट्रेन संख्या 21896 (पटना – टाटानगर वंदे भारत एक्स) में पाई गई अनियमितता के संबंध में यात्री द्वारा भोजन की गुणवत्ता पर की गई शिकायत को गंभीरता से लिया गया है. कार्रवाई करते हुए IRCTC पर 10 लाख का दंड लगाया गया है. संबंधित सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख का जुर्माना तथा कॉन्ट्रेक्ट खत्म करने के आदेश दिए हैं. भारतीय रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा एवं गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है.

Uttarpradesh

पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर किया दरिंदा, बच्ची की गला काटकर की थी हत्या, आटे के ड्रम में छिपा दी थी लाश

आगरा, (एजेंसी) आगरा में जूता कारखाना संचालक की आठ साल की बेटी की हत्या किराएदार सुनील ने बड़ी बेरहमी से की थी। हत्या करने के बाद उसने कमरे में जो खून बहा, उसे पानी से धोया। इसके बाद लाश को आटे के ड्रम में ठूंस दिया। इस सनसनीखेज हत्याकांड के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस ने बमरौली कटारा क्षेत्र में आरोपी को घेर लिया। इस दौरान आरोपी से पुलिस की मुठभेड़ हो गए। कई राउंड गोलियां चलीं, जिसमें एक दरोगा भी गोली लगने से घायल हो गए। इस दौरान पुलिस ने आरोपी किराएदार सुनील को ढेर कर दिया।

पुलिस के अनुसार, 24 मार्च को थाना

ताजगंज क्षेत्र से 8 वर्षीय बच्ची के लापता होने के बाद तत्काल अभियोग पंजीकृत कर उसकी बरामदगी के लिए टीमों का गठन किया गया था। खोजबीन के दौरान अगले ही दिन, यानी 25 मार्च को बच्ची का शव उसी मकान में किराए पर रह रहे सुनील के कमरे में आटे के ड्रम से बरामद हुआ।

खेल

आईपीएल के 19वें सीजन की शनिवार से शुरुआत

सात नहीं, इतने बजे से शुरू होगा मैच

नई दिल्ली, (एजेंसी) आईपीएल 2026 सीजन की शनिवार से शुरुआत होने जा रही है। पहला मुकाबला गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा। ये मैच बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। आरसीबी अपना खिताब बचाने के लिए प्रतिबद्ध होगा, जबकि हैदराबाद भी जीत से शुरुआत करने के लिए बेताब रहेगा।

दोनों टीमों के बाद गेंदबाजी विकल्प की कमी

आरसीबी और सनराइजर्स दोनों के पास गेंदबाजी संसाधनों की कमी है। आरसीबी को जोश हेजलवुड और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के बिना खेलना होगा। दोनों ने 2025 के विजयी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इस वर्ष वे अधिकतर मैचों में बाहर रहेंगे। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया में चोट से उबरकर पूरी तरह फिट होने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वह बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे दयाल पूरे सत्र से बाहर रहेंगे। आरसीबी को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, स्पिनर क्रुणाल पांड्या, सुयश शर्मा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा।

कोहली पर नजरें, कमिंस के बिना उतरेगी सनराइजर्स

सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस भी शुरुआती चरण में टीम में नहीं होंगे। ईशान किशन को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया है। लेकिन सनराइजर्स के बैकअप विकल्प ज्यादा भरोसेमंद नहीं लगते। ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल और हर्ष दुबे को सपाट पिचों पर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। दोनों टीमें अपनी गेंदबाजी की कमजोरी का बल्लेबाजी से भरपाई करना चाहेंगी। आरसीबी के पास विराट कोहली, टिम डेविड, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, कप्तान रजत पाटीदार, रोमारियो शेफर्ड जैसे बल्लेबाज हैं जबकि सनराइजर्स के पास भी ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, किशन और हेनरिक क्लासेन के रूप में धाकड़ बल्लेबाज हैं।

सिनेमा

धुरंधर 2 की सक्सेस के बीच संजय दत्त का वीडियो वायरल, पैप्स से बोले- बंद कर ना बे

धुरंधर 2 की बड़ी सफलता के बीच फिल्म में एसपी चौधरी का किरदार निभाने वाले संजय दत्त का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में संजय दत्त पैप्स पर चिढ़ते नजर आ रहे हैं। संजय दत्त इस वीडियो में अपनी पत्नी मान्यता दत्त और दोनों बच्चों के साथ नजर आ रहे हैं। पैप्स संजय दत्त की उनके परिवार संग वीडियो कैप्चर कर रहे होते हैं कि तभी संजय दत्त उनसे कहते हैं- बंद कर ना बे। संजय दत्त का जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें संजय दत्त अपने परिवार के संग कार से उतरते हैं। पैप्स उनका वीडियो कैप्चर कर रहे होते हैं कि तभी संजय दत्त की नजर पैप्स पर पड़ती है और वो उन्हें कैमरा बंद करने के लिए कहते हैं। संजय दत्त कहते हैं- बंद कर ना बे। इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स के भी रिएक्शन आए हैं। एक यूजर ने लिखा- संजय दत्त बॉलीवुड का अंडरटेकर हैं। एक दूसरे यूजर ने पैप्स का मजाक उड़ाते हुए लिखा- मिल गया प्रसाद। बहुत से यूजर्स ने लाफिंग इमोजी बनाकर रिएक्ट किया है। संजय दत्त आदित्य धर की धुरंधर 1 और 2 का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने फिल्म में एसपी असलम चौधरी का किरदार निभाया है जो बलूचों से नफरत करता है।

1. **Govt cuts excise duty on petrol to ₹3/litre, diesel to zero**
2. **'India, China can't be moved apart,' says China's envoy to India in dig at US**
3. **Iran writes 'Thank you people of India' on missiles before attack on Israel; pic surfaces**
4. **Liquor to now be sold at petrol pumps and malls in Chandigarh**
5. **LPG vessel Jag Vasant reaches India after crossing Strait of Hormuz**

Indian Oil buys first Iranian LPG since 2018 as shortage worsens

NEW DELHI, (Agency). Indian Oil Corp. has bought LPG from Iran for the first time in almost eight years, according to people familiar with the matter, as India scrambles to tider over an LPG shortage spurred by the Iran war.

The refiner will share the shipment with its state-owned peers Bharat Petroleum Corp Ltd. and Hindustan Petroleum Corp Ltd., said the people, who asked not to be named due to the sensitivity of the trade.

Indian Oil last bought LPG from Iran in June 2018, according to data intelligence firm Kpler, which said the current cargo is about 43,000 tons of butane and propane.

That amount would only be enough to meet half a day's demand in India, where LPG is commonly used as a cooking fuel. The country imports about two-thirds of its supplies, and 90% of that comes from West Asia, largely through the Strait of Hormuz that's been effectively blocked since the start of the Iran war.

The LPG shortage seen some Indians being forced to cook with firewood, and have led to fights in lines to get LPG cylinders. New Delhi has curtailed supplies to commercial users such as hotels and restaurants and invoked emergency measures to accelerate the development of natural gas pipelines. It's the first Indian purchase of energy from Iran since the US issued a temporary waiver earlier this month allowing the country to buy crude oil or petroleum products from the Islamic Republic. The market has been watching for signs of potential buyers for Iranian cargoes that were long considered out of reach due to harsh US sanctions. The people familiar didn't provide any further details on the cargo or the vessel that's carrying it. However, ship-tracking data from Kpler shows LPG carrier Sea Bird is transporting Iranian LPG and signalling it will arrive at India's Mangalore port on Thursday. The ship had previously signalled its intention to head to China, as it passed through the strait on 17 March, before turning off its transponder signals. It then reappeared in the Arabian Sea a few days later, sailing east, even though its destination was Dubai in the opposite direction. India is also in the final stages of negotiations for the safe passage of two more LPG cargoes through Hormuz.

Why bonds deserve a bigger place in your portfolio

NEW DELHI, (Agency). In a market defined by volatility, fixed returns and regular payouts are once again becoming central to portfolio planning for Indian investors. The reason is simple: predictability matters. Whether the goal is preserving capital, creating a supplementary income stream, or planning short- and medium-term expenses, investors continue to seek products that offer visibility on returns and cash flows.

For years, traditional instruments like fixed deposits and real estate have dominated this market. However, the investment landscape is evolving. Falling interest rates and inflation pressures are reducing the attractiveness of fixed deposits and high investment minimums, and low rental yields are prompting investors to reconsider real estate as a regular source of income. In this shift, bonds are emerging as a more practical and accessible fixed-income option.

Why fixed returns matter

Fixed returns offer clarity. Investors know what they are likely to earn, when they can expect payouts, and what value they may receive at maturity. That predictability plays an important role in financial planning, especially for households balancing EMIs, education expenses, retirement needs, or near-term savings goals.

Regular payouts strengthen this further. Periodic interest income, whether monthly, quarterly, or annually, can help investors build cash-flow discipline without relying entirely on market-linked assets. In uncertain environments, that kind of visibility is not just comforting; it is financially useful.

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक